647510 **BRSHinFC507B** **Seat No :_____**

B.R.S. Semester - 5 (Remedial) (*CBCS*) Examination
March/April-2024 (Old Course)
HINDI LITERATURE AND LANGUAGE CORRECTION (FOUNDATION-7)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न- १ निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए । (१५)

(१) 'दानव' शब्द का समानार्थी शब्द दीजिए ।
(२) 'आकाश' शब्द का समानार्थी शब्द दीजिए ।
(३) 'गगन को चुमनेवाला' शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए ।
(४) 'जो जल को जानता है' शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए ।
(५) 'देराज' शब्द किसे कहते हैं ?
(६) अनुवाद की परिभाषा दीजिए ।
(७) कोइ एक 'संकर' शब्द का उदाहरण लिखिए ।
(८) कोई एक 'तत्सम' शब्द का उदाहरण लिखिए ।
(९) 'हडताल' शब्द किस भाषा से हिन्दी में आया है ?
(१०) 'तीन भुवनों का समूह' शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए ।
(११) 'स्वर्ण' शब्द तत्सम है या तद्भव ?
(१२) 'चीकु' शब्द किस भाषा का है ?
(१३) 'अनुवाद' शब्द का समानार्थी शब्द दीजिए ।
(१४) संक्षेपणकार का कोई एक गुण लिखिए ।
(१५) 'द्विज' शब्द का समानार्थी शब्द दीजिए ।

प्रश्न- २ अनुवाद की परिभाषा देकर अनुवाद की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए । (१५)

अथवा

प्रश्न- २ संक्षेपण के गुणों की विस्तृत चर्चा कीजिए ।

प्रश्न- ३ निम्नांकित में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए । (१५)

(१) हिन्दी भाषा शिक्षण के रिक्त पद के लिए अपना आवेदन पत्र लिखिए ।
(२) चेक का भुगतान रोकने के लिए SBI के मेनेजर को पत्र लिखिए ।
(३) अनुवाद के प्रमुख प्रकारों पर प्रकाश डालिए ।
(४) पद्यानुवाद की प्रमुख समस्याएँ ।
(५) अच्छे पत्रों की विशेषताएँ ।

प्रश्न- ४ हिन्दी शब्द समूह की विस्तृत चर्चा कीजिए । (१५)

अथवा

प्रश्न- ४ साहित्य के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न- ५ निम्नांकित परिच्छेद का संक्षेपण कीजिए । (१०)

"सफलता के ताले परिश्रम की कुंजी से खुलते हैं । सही दिशा में किए गए प्रयत्न सफलता की मंजिल तक अवश्य ही पहुँचाते हैं । सफल जीवन का रहस्य परिश्रम ही है । परिश्रम करने वाला व्यक्ति ही कर्मवीर है । कर्मवीर किसी भी चुनौती को सहर्ष स्वीकार करता है। मार्ग में आनेवाली बाधाओं से वह तनिक भी विचलित नहीं होता । बाधाओं से उसके कार्य में शिथिलता नहीं आती, बल्कि कार्य में और गति आती है । दुनिया के बडे-बडे रहस्यों की खोज कर्मवीरों ने ही की है ।"

अथवा

प्रश्न- ५ निम्नांकित परिच्छेद का गुजराती में अनुवाद कीजिए ।

"सत्य के बिना किसी भी नियम का पालन अशक्य है । सत्य का सामान्य अर्थ सच बोलना मात्र है । परंतु बापू सत्य का बहुत बडा अर्थ मानते थे । उनके अनुसार विचार में, वाणी में और आचरण में सत्य का होना ही सत्य है । इस सत्य को पूर्णत: समझनेवालों के लिए जगत में कुछ बाकी नहीं रहता, क्योंकि सारा ज्ञान सत्य में समाया हुआ है । सत्य को प्राप्त करने का मार्ग बडा कठिन है । आध्यात्मिक प्रसंगों में बताया गया है कि इस सत्य को अभ्यास और वैराग्य से पाया जा सकता है।"

****